

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः



वर्ष : 13

अंक : 05

जनवरी 2017

मूल्य : 10/- प्रति

विद्युत रिपोर्ट पृष्ठ 11 पर

श्रद्धा, विश्वास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ बाबोसा महोत्सव 2016

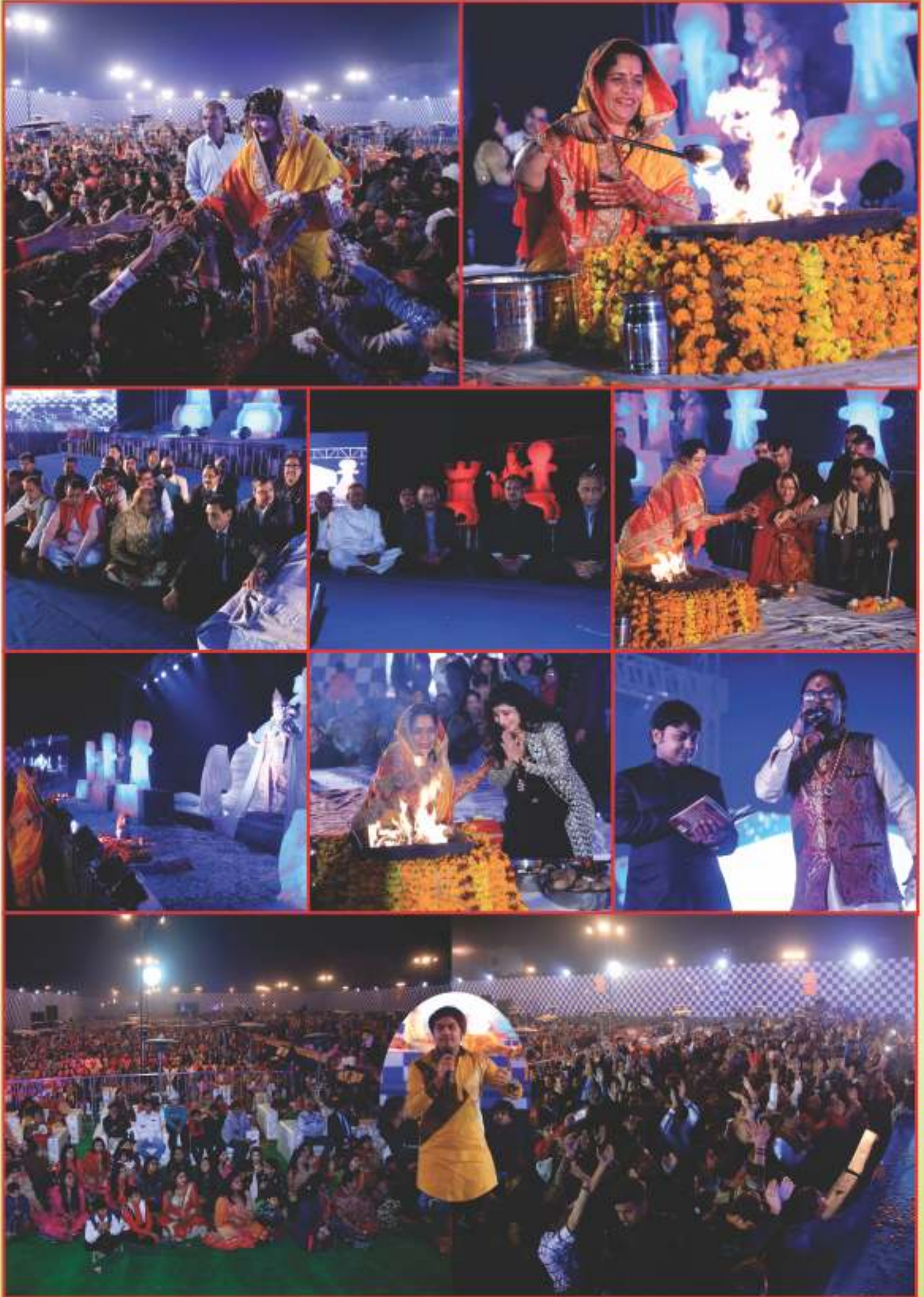


श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा दर्शन

मिंगसर महोत्सव 2016 के कुछ और दृश्य



श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा दर्शन

प्रथम अखिल भारतीय बाबोसा सम्मेलन

विस्तृत रिपोर्ट पृष्ठ 13 पर



श्री बाबोसा दर्शन

60 वीं सालगिरह बाबोसा भगवान के चरणों में



हैदराबाद 10 नवंबर, आज यहाँ रामो जी सिटी के खुबसूरत लॉन में वरिष्ठ बाबोसा भक्त श्री धनराज जी कोठारी, (जिन्हें भक्त आदर से 'जीसा') एवं श्री मती जीवनी देवी (जिन्हें भक्त आदर से 'मांसा' कहते हैं) के दांपत्य जीवन की 60 वीं सालगिरह बड़े धूम-धाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके तीनों पुत्र व पुत्रवधु क्रमशः श्री निर्मल-कमला, श्री प्रकाश-मंजु, श्री प्रवीन-सरला एवं पुत्री दामाद प्रेमा नव-रतन सहित सभी पौत्र, पौत्रियां, पड़पौत्र, दोहिते सहित बड़ी संख्या में पारिवारिक सदस्य एवं

बाबोसा भक्त उपस्थित थे। श्री बाबोसा भगवान के भजनों के साथ-साथ उनके जीवन के मधुर पलों को एल ई डी स्क्रीन पर दिखाया गया। पारिवारिक जनों ने कुछ मनोरंजक दृश्य प्रस्तुत कर उनके जीवन की पुरानी यादों को तरो-ताजा कर दिया।

मांसा व जीसा जब एक फूलों से सुसज्जित बग्घी पर सवार होकर आयोजन स्थल पर पहुंचे तो उपस्थित पारिवारिक जनों ने पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी से उनका स्वागत किया।

हैदराबाद में मंदिर की नींव

हैदराबाद, 3 जनवरी, आज पावन पंचमी का दिन बाबोसा भक्तों के लिये हैदराबाद में विशेष खुशियां लेकर आया। नव वर्ष की प्रथम पंचमी पर यहाँ श्री बालाजी बाबोसा मंदिर की नींव रखी गई। इस अवसर पर

हैदराबाद के कई भक्त उपस्थित थे। नींव की इंटों पर ऊँ बाबोसा अंकित कर जब लगाया गया तो भक्तों की प्रसन्नता का पार नहीं था। सभी भक्तों ने अपने हाथों से नींव लगाने का सौभाग्य प्राप्त किया।



श्रद्धा, विश्वास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ बाबोसा महोत्सव 2016

दिल्ली 4 दिसंबर, भक्तों का जुनून, उत्साह, जोश और कठिन मेहनत रंग लाई जब 3 दिसंबर की रात को बाबोसा सिटी रंग गई बाबोसा भगवान के रंग में विशाल बर्फीले दरबार में।

हजारों भक्तों भी उपस्थिति में परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी ने ज्योत प्रज्ज्वलित की। श्री अजय वैद ने पहले बाबोसा भगवान का जाप किया और उसके पश्चात् पावन गणेश वदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् श्री आशु वर्मा (मुंबई) ने भजनों की प्रस्तुति से कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

इसी दौरान लगभग 9 बजे परम आराधिका मंजु बाईसा का पंडाल में पदार्पण हुआ। भक्तों ने मध्य मार्ग के दोनों तरफ खड़े होकर पुष्प वर्षा करते हुई बाईसा का

स्वागत किया। हजारों भक्तों की अपस्थिति में बाईसा को दरबार तक पहुंचने में काफी वक़्त लगा। हर भक्त चाहता था कि बाईसा उनके सर पर अपने वाद-हस्त अवश्य रखें। बाईसा ने अपनी तरफ से पूरी-कोशिश करी कि किसी भी भक्त को निराश नहीं होना पड़े। लेकिन हजारों भक्तों के सर पर हाथ रखना संभव भी नहीं था। जिसके सर तक बाईसा के हाथ नहीं पहुंचे, उन्हें बाईसा ने दूर से मुस्कुराकर और हाथ हिला कर आशीर्वाद प्रदान किया।

दरबार में पधार कर बाईसा ने अपने आसन पर विशजमान होकर पावन ज्योति के हवन-कुंड में घृताहुति दी। इधर भजनों की कमान समाली श्री शीतल पांडे ने। श्री शीतल पांडे कई बाबोसा कार्यक्रमों

में भजनों की अमृत वर्षा कर चुके हैं। उन्हें मालूम है कि बाबोसा भगवान और बाबोसा भक्त क्या सुनना चाहते हैं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने जैसे ही अपना प्रथम भजन "प्रेम का धागा, तुमसे बांधा, कभी टूटे ना, चाहे जग रुटे, मेरे बाबोसा तू रुटे ना।" गाना प्रारंभ किया तो भक्त झूम उठे और बाबोसा भगवान के पदार्पण का अहसास भी होने लगा। भजनों की श्रृंखला में भजन जुड़ते गये, भक्त कभी झूम रहे थे तो कभी भावना में गोते लगा रहे थे। कभी नृत्य कर रहे थे तो कभी बाबोसा भगवान और मंजु बाईसा को निहार रहे थे। इसी सिलसिले में भजन बदलते रहे और जब भजन की पंक्तियां गूंजी-

"दिल में बाबोसा नाम की ज्योति जला कर देख,

आयेगा मेरा बाबोसा, दिल से बुला कर देख"

तो बाबोसा भगवान ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए दिव्य दर्शन दिये। उनका यह दिव्य दर्शन भक्तों की सबसे बड़ी खाहिश होती है। इस दर्शन का भक्त साल भर तक इंतजार करते हैं। पूरा पंडाल बाबोसा भगवान के जयकारों से गूंज उठा। श्री अजय वैद ने बाबोसा भगवान की महिमा का बखान किया। भक्त एकटक अपलक बाबोसा भगवान को निहार रहे थे। किसी की नजर नहीं हट रही थी। यूं लग रहा था, जैसे सभी स्वर्गलोक

में बाबोसा भगवान के दरबार में बैठे हों। भक्तों पर कृपा बरसाते हुए कृपानिधान वापस अपने स्वर्ग सिंहासन की तरफ प्रस्थान कर गये।

श्री शीतल पांडे ने कुछ देर और भजनों का कार्यक्रम जारी रखा। उनके पश्चात् मोना मेहता (फतेहाबाद) ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। वे समझ गई थी कि बाबोसा भगवान के दर्शन के पश्चात् भक्त अब नाचने-गाने के मूड में हैं। भक्तों का मूड भांपते हुए उन्होंने नृत्य-प्रधान, तेज गति के जोशीले भजन प्रस्तुत किये तो पूरा पंडाल धिरकने लगा। "क्या खूब गया है सजाया", "ये दीवानों की बस्ती है, यहां मस्ती ही मस्ती है" इत्यादि भजनों पर मस्ती का ऐसा दौर चला, जो धमने का नाम नहीं ले रहा था। भक्त चाहते थे कि यह मस्ती नहीं रुके, लेकिन समय काफी हो गया। अगले दिन प्रातः पंचमी-पूजन भी था अतः कार्यक्रम को विराम दिया गया एवं अंत में श्री बाबोसा भगवान की महाआरती की गई।

अगले दिन यानि 4 दिसम्बर को प्रातः 10.15 बजे मंदिर में पावन पंचमी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिन भी हजारों भक्तों ने लाइन में लग कर श्री बाबोसा भगवान के दर्शन किये। मंदिर की लाइन इतनी लंबी थी कि लगभग सायं 4 बजे तक भक्त दर्शनार्थ आते रहे। इसके अतिरिक्त संध्या आरती में भी कई भक्त शामिल हुए।

बाबोसा महोत्सव का मुख्य आकर्षण बर्फीला दरबार



दिल्ली में बाबोसा भक्तों द्वारा हनेशा नये नये दरबार सजाये जाते हैं और वे पूरे देश में चर्चा का विषय बन जाते हैं। पहले श्री डी दरबार, फिर पानी का दरबार और इस बार बर्फ का दरबार। मुख्य द्वार पर इग्लू की तर्ज पर प्रवेश का रास्ता शुरू से ही भक्तों को रोमांचित कर रहा था। यह सैकड़ों बर्फ की शिलाओं से बनाया गया था। वहीं दरबार बर्फ की हजारों सिल्लियों के प्रयोग से शतरंज की तर्ज पर बनाया गया था। उस पर रंग-बिरंगी लाइटों का प्रयोग उसे एक मध्य और निराला रूप प्रदान कर रहा था। विशाल बर्फीली चहानों के मध्य विशजमान बाबोसा भगवान। यूं प्रतीत हो रहा था मानो कैलाश पर्वत पर भगवान शिव ने अपना आसन लगाया हो।

दरबार की भव्यता में भक्तों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। इस दरबार को लगाने में श्री मुकेश जी अग्रवाल Vice President, Delhi Cold Storage का बहुत महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

गणमान्य अतिथिगण का तांता

इस बार बाबोसा महोत्सव में गणमान्य अतिथियों का तांता लगा रहा। उनमें से प्रमुख थे डा. बजरंग लाल गुप्ता (क्षेत्रीय संघ चालक आर. एस. एस.) श्री सुशांधु मित्तल (वरिष्ठ नेता, भाजपा) श्री उदित राज (सांसद) श्री मुकेश मीणा (वीफ, एंटी करप्शन ब्यूरो दिल्ली), श्री मैरें सिंह गूर्जर, I.P.S. श्री जगदीश छिल्लर (डी. सी. रोहिणी जौन), श्री देवेंद्र सोलंकी (चेयरमैन एम. सी. डी. रोहिणी जौन) श्री प्रवेश बाही (चेयरमैन, स्टैंडिंग कमिटी, नॉर्थ MCD) श्री दिलीप कुमार मीणा A.D.C. एम सी डी रोहिणी जौन) श्री जयभगवान मास्टरजी (पार्षद), श्री राजेश सहरावत (इंसपेक्टर) श्री आर. के. मीणा (इंसपेक्टर अशोक विहार) श्री रमेश जी (एस एच ओ) इत्यादि। इनके अलावा कई जैन, अग्रवाल, माहेश्वरी, ब्राह्मण, जांगीड़ इत्यादि समाजों के अध्यक्ष मंत्री श्री उपस्थित थे।

सभी अतिथि कार्यक्रम की भव्यकता की मुक्त कंटों से सराहना कर रहे थे।

श्री बाबोसा भगवान की कृपा से विदेश में सफलता

बाबोसा भक्त सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी हैं। और वे वहाँ भी बाबोसा भगवान का उतना ही स्मरण करते हैं, जितना देश में रहने वाले भक्त। ऐसी ही एक भक्त है प्रियंका (सुपुत्री श्री अजय वैद, संपादक) जो कनाडा में रहती हैं। वह पिछले लगभग 5 सालों से वहाँ रह रही है। उसने भारत में सी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। कनाडा में वह अच्छे पद पर कार्य कर रही थी। लेकिन उसे महसूस हुआ कि अपने क्षेत्र में और आगे बढ़ने के लिये उसे कनाडा की सी. ए. (सी. पी. ए.) भी करना आवश्यक है।

उसने भारत में लगभग 10 वर्षों पूर्व सी. ए. पास करी थी 10 वर्षों बाद पुनः पढ़ाई प्रारंभ करना। उसे 4 वर्ष की आयु का पुत्र भी है। वहाँ घर में काम करने के लिये नौकर भी उपलब्ध नहीं है। ऐसी परिस्थिति में घर को सम्भलना, ऑफिस को जाते हुए सी. पी. ए. करना काफी कठिन काम था।

लेकिन उसने अपने दृढ़ संकल्प से यहाँ फिर पढ़ाई प्रारंभ करी। लेकिन



उसके इम्तहान अभी और बाकी थे। Exams के कुछ दिनों पूर्व वह अस्वस्थ हो गई। 2-3 दिनों होस्पिटल में भी रहना पड़ा। तब उसने बाबोसा

भगवान से अरदास लगाई कि मैं कम-से-कम Exam तो दे पाऊँ। Result जो भी आयेगा वह मंजूर है।

वह समय पर न सिर्फ Exam दे पाई, वरन् अपने प्रथम प्रयास में सफल भी हो गई। उसकी यह सफलता वहाँ के कनाडा की सी. ए. पत्रिका में भी प्रकाशित की गई। प्रियंका ने अपनी इस सफलता के लिये श्री बाबोसा भगवान के प्रति हार्दिक आभार एक पत्र के माध्यम से व्यक्त किया है। जिसे हम यहाँ प्रकाशित कर रहे हैं।

I migrated to Canada with lots of dreams of a good and a successful life. After a couple of years, I realised that I need Canadian CPA designation to grow in my job, although I already had my Indian CA designation.

But it was very hard to prepare my mind to study

again.

I was thinking one day and felt that Lord Babosa is saying to me that you will be successful and can do it.

And that was the moment when I decided to go for it.

I felt sick during my studies, looked like things are not going fine. But when I used to do Om bbaosa jaap, then my mind would settle down, my pain would start to go away I started feeling that there is a power that is always with me, that is Lord babosa. I have passed the Canadian CA because of the strength that I received when I used to chant Om Bbaosa and his blessings. I can't say enough how happy I am

Jai Shree Babosa

UPWARDS AND ONWARDS

A number of our aspiring members embarked and successfully completed their voyage towards the CPA designation recently. Here is how they described their journey and personal experiences...

PRIYANKA BAIDYA Arrived in Canada: 2013 CPA designation: 2016

"I knew that the CPA exam is different from the Indian CA exam. It was a different but highly interesting approach which involved projects and team work. My Indian CA experience proved rewarding, as my concepts were clear and strong. Case writing was a struggle as this was not my expertise at all. But, as they say, with practice, group studies, and marking process I accomplished my objective, and guess what, me and my friend, both passed. It is an amazing feeling and such a strong sense of achievement!"

कुछ सावधानियां-दवाई लेने से पहले

वैसे तो प्रायः लोग कोई बीमारी होने पर डॉक्टर की सलाह से ही दवा लेते हैं मगर कुछ व्यक्ति ऐसे भी होते हैं, जो कोई शारीरिक परेशानी होने पर या तो घर पर रखी दवाइयां ले लेते हैं या फिर कैमिस्ट से दवा ले लेते हैं। ऐसा करने से अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, अतः किसी भी प्रकार की परेशानी से बचने हेतु दवा के सेवन से पूर्व कुछ सावधानियां बरतना नितांत आवश्यक है।

कोई बीमारी होने पर डॉक्टर

से ही संपर्क करें। दूसरे व्यक्तियों द्वारा सुझाए गए नुस्खों पर अमल न करें। यदि डॉक्टर उपलब्ध न हो तो सोच समझ कर ही किसी दवा का प्रयोग करें।

डॉक्टर से इलाज करवाते समय डॉक्टर द्वारा दवा संबंधी दिए गए निर्देशों का भलीभांति पालन करें। कौन-सी दवा, किस समय पर लेनी है, इसे पूरी तरह समझ लें। आमतौर पर डॉक्टर एलोपैथिक दवा खाली पेट दवा लेने को मना करते हैं अतः कुछ खाकर ही दवा लें।

थोड़ी-सी परेशानी जैसे मामूली सिर दर्द, थकान होने व नौद न आने पर दवाओं का सेवन न करें। अधिक परेशानी होने पर ही दवा लें।

यदि दवा लेने पर अच्छा असर न हो रहा हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

दवा को सदैव सुरक्षित स्थान पर और सही तरीके से रखें। गोलिएं, कैप्सूल आदि दवाई के लिफाफे में ही रखें। बाहर निकालने पर उन पर धूल, मिट्टी के कण जमा हो जाएंगे जिससे शरीर के अंदर कीटाणु प्रवेश कर सकते

हैं। दवाइयों को धूप, गर्मी व नमी से बचाकर रखें।

जो दवाई खाली पेट खाने को कहा जाए, उसे खाली पेट ही लें। भोजन के बाद लेने से ये कम प्रभावी हो सकती हैं अतः इस बात का सदैव ध्यान रखें।

जब भी दवा विक्रता से दवा खरीदें, सबसे पहले उस पर लिखी निर्माण तिथि व समाप्ति की तारीख अवश्य देख लें। किसी भी पुरानी दवा का प्रयोग करना हानिकारक हो सकता है।

कृपा सागर (श्री बाबोसा भगवान की कृपा की अविरल गथा) का भव्य विमोचन

दिल्ली 3 नवंबर 16 आज श्री बाबोसा महोत्सव में उस समय अग्रणी प्रकाशन संस्था प्रमात

ऐतिहासिक पल जुड़ गये, जब शाम को विशाल भजनसंख्या के बीच परम आराधिका मंजु बाईसा ने कृपा-सागर ग्रंथ का विमोचन अपने पावन कर-कमलों से किया। इस ग्रंथ में श्री बाबोसा भगवान के चमत्कारों का उल्लेख है। इसकी खासियत ये है कि उन चमत्कारों को भक्तों की अपनी ही हस्त-लिपि में

उसके अंग्रेजी अनुवाद के साथ प्रस्तुत किया गया है।

इसका प्रकाशन देश की अग्रणी प्रकाशन संस्था प्रमात

हैं। चमत्कारों का सटीक अंग्रेजी अनुवाद बहन राजेश्वरी बागड़ी द्वारा प्रकाशन द्वारा किया गया है, जिसका संपादन अजय बैद ने किया

किया गया है।

का प्रवाह रोक कर श्री अजय बैद ने मुख्य अतिथि श्री मुकेश कुमार मीणा से आग्रह किया कि यह ग्रंथ परम आराधिका मंजु बाईसा को भेंट कर इसका विमोचन करवायें। श्री मीणा ने ग्रंथ को बाईसा को प्रदान करते हुए इसके विमोचन का निवेदन किया। बाईसा ने जैसे ही ग्रंथ को बाबोसा भगवान को दिखाते हुए भक्तों की ओर दिखाया तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

विमोचन के पश्चात् श्री हर्ष कोठारी ने मंच पर विराजित गण-नान्य अतिथियों को यह ग्रंथ भेंट किया।

विमोचन के पश्चात् श्री हर्ष कोठारी ने मंच पर विराजित गण-नान्य अतिथियों को यह ग्रंथ भेंट किया।

विमोचन के पश्चात् श्री हर्ष कोठारी ने मंच पर विराजित गण-नान्य अतिथियों को यह ग्रंथ भेंट किया।



Floors Plots Kothies

I OM BABOSA I

Special Consideration for Babosa Bhakts

A Trusted Name in Real Estate

Arihant Jain

BALA JI BABOSA ASSOCIATES

Builders & Properties Consultants

53, G.F. Pocket-21, Sector-24, Rohini, Delhi-85
Ph. : 011-27932153 (M) 9350267071, 9711434421
E-mail : arihant_193@rediffmail.com

बिहार में प्रथम बार ज्योत के समक्ष विवाह संस्कार

अररीया 11 नवंबर, आज बिहार में प्रथम बार श्री बाबोसा भगवान की पावन ज्योत के समक्ष शादी का कार्यक्रम आयोजित हुआ। अवसर था श्री अनिल बोधरा (सुपुत्र मोहनलालजी एवं श्रीमती मूली देवी बोधरा) के संग खुशबु (सुपुत्री श्री शंकर प्रसाद जी गुप्ता) के परिणय का। इस कार्यक्रम को सान्निध्य प्रदान करने हेतु परम आराधिका मंजु बाईसा एवं परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी विशेष रूप से दिल्ली से पधारे।

आयोजन स्थल श्री बालाजी बाबोसा मंदिर के समक्ष प्रांगण में विशाल पंडाल में श्री बाबोसा भगवान का एल. ई. डी. दरबार लगाया गया।

सायं लगभग 8 बजे परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी ने ज्योत प्रज्ज्वलित की। तत्पश्चात् श्री विकास पारीक (धुवड़ी) ने गणेश वंदना से भजनों का कार्यक्रम प्रारंभ किया एवं श्री बाबोसा भगवान के कई मधुर भजन प्रस्तुत किये।

इसी दौरान परम आराधिका मंजु बाईसा का पदार्पण हुआ। भक्तों ने पंडाल में खड़े होकर उनका हार्दिक स्वागत किया। बाईसा द्वारा अपना आसन ग्रहण किये जाने के बाद भजनों का कार्यक्रम कुछ देर और जारी रहा।

शादी की रस्मों के प्रारंभ में सर्वप्रथम दुल्हा-दुल्हन के अलग से बनाये गये वरमाला स्टेज पर वरमाला पहनाई। तत्पश्चात् मुख्य मंच पर परम आराधिका मंजु बाईसा ने श्री बाबोसा मंत्रोच्चार के मध्य फेरों के साथ अन्य रस्में पूरी करवाई। शादी की रस्में पूर्ण होने के पश्चात् श्री अरुण सुराणा ने बधाई गीत एवं श्री अजय वैद ने विदाई गीत प्रस्तुत किये।

इस कार्यक्रम में आसपास के भक्तगण एवं अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे। उन लोगों ने इस कार्यक्रम को बहुत सराहा। अंत में सभी भक्तों ने प्रीति भोज ग्रहण किया।

खाटू श्याम दरबार संग सजा बाबोसा दरबार

दिल्ली 27 नवंबर, आज यहां रजौरी गार्डन में भव्य दीपाली टेंट में श्री श्याम सेवा मंडल द्वारा आयोजित श्री श्याम शरद महोत्सव में खाटू श्याम जी के साथ-साथ श्री बाबोसा भगवान का भव्य दरबार सजाया गया।

परम आराधिका मंजु बाईसा एवं परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी रात्रि लगभग 10 बजे पंडाल में पधारे तो पंडाल के सैकड़ों भक्तों द्वारा बाईसा का भव्य स्वागत किया गया। मंच संचालक श्री सुशील गौतम ने मंजु बाईसा को एक दिव्य शक्ति

बताते हुए उनका अभिवंदन किया। श्री अजय वैद ने उपस्थित भक्तों को श्री बाबोसा भगवान एवं प. आ. मंजु बाईसा के बारे में कई महत्वपूर्ण बातों की जानकारि दी।

इस अवसर पर श्री भरत छाजेड़ एवं दीपक दूगड़ ने बाबोसा भगवान के कई मधुर भजनों को एक ही लड़ी में पिरो कर प्रस्तुत किया तो सभी भक्त खुशी से नृत्य करने लगे।

मंडल के सभी सदस्यों ने बाईसा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

बाबोसा बगिया के फूल

पूरे विश्व में फैले बाबोसा भक्तों को एक सूत्र में पिरोने हेतु BCF ने "बाबोसा बगिया के फूल" नाम से एक नई पहल प्रारंभ की है इसके अंतर्गत आप बाबोसा भक्त परिवार से सीधे जुड़कर सभी कार्यक्रमों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। इस योजना से जुड़ने के लिय आप अपने मोबाइल में **message Box** में जाकर **Babosa <space>** अपना नाम, पता एवं मोबाईल नं. टाइप कर इसे 56161 पर भेजें। मैसेज भेजने के कुछ ही देर पश्चात् आपके पास **acknowledgment message** आ जायेगा और देखते ही देखते आप बाबोसा बगिया के महकते हुए फूल बन जायेंगे।

तो फिर देर किस बात की उठाईये अपना फोन और मैसेज कीजिये। आप अपने रिश्तेदारों और दोस्तों की भी इस योजना से अवश्य जोड़ें।

बाबोसा दर्शन पढ़िये और पढ़ाइये



BAGHBAN BABOSA
(UNIT OF CAPITAL CARPET EXIM PVT.LTD.)
PRASAN KUMAR ADITYA BHUTORIA
THE WORLD OF FURNISHINGS & FLOORINGS



CURTAINS | SOFA CLOTH | BEDSHEETS | BED & BATH ACCESSORIES
BLINDS | SHOW PIECES | CROCKERY | CARPETS & MATS
61, Harsh Vihar, Pitampura, Near Canara Bank, Delhi-34
Ph.: 011-27013405-04-03 E-mail : info@bbfurnishing.com
Website : www.bbfurnishing.com

श्री बाबोसा दर्शन

अमृत-मंगल कथा सह मधुर भजन संध्या



दिल्ली 13 अक्टूबर, आज श्री अनिल-मंजु भूपल ने अपने निवास स्थान सीता अपार्टमेंट, रोहिणी के विशाल प्रांगण में श्री बालाजी बाबोसा अमृत मंगल कथा सह-मधुर संध्या का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

आने वाले सभी भक्तों के ड्रेस पर 'हम बाबोसा वाले हैं' बैज लगा कर स्वागत किया जा रहा था। अपार्टमेंट के खुले लॉन में विशाल एल ई डी दरबार लगाया गया था। दीप प्रज्वलन के पश्चात् श्री अजय बैद, दीपक

दूगड एवं भरत छाजेड ने संगीतमय कथा की प्रस्तुति दी। इसी दौरान प. आ. मंजु बाईसा एवं परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी का पंडाल के पदार्पण हुआ। श्री अरुण सुराणा ने कई कर्णप्रिय भजन प्रस्तुत किये। जहां कथा में लोग बैठ कर एकाग्रचित्त होकर आनंद उठा रहे थे, वहीं भजनों में माहौल बदल कर भक्तों ने भक्ति भावना से ओत-प्रोत होकर नृत्य किया।

अंत में आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ एवं भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया।

प्रथम बाबोसा भजन संध्या का आयोजन

गोलाघाट 26 नवंबर, आज यहां महेश्वरी भवन में प्रथम बार श्री बाबोसा भक्तमंडल, गुवाहाटी के तत्त्वावधान में प्रथम बाबोसा भजन संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री गौरव बोधरा डी. जी. पी. की उपस्थिति में बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने इस मधुर भजन संध्या का आनंद उठाया। गुवाहाटी से श्री गजराज जी सुराणा के नेतृत्व में

लगभग 40 भक्तों की टीम गोलाघाट पहुंची थी, जिसमें भजन प्रस्तुतकर्ता बहन संतोष शर्मा, श्री विनोद शर्मा इत्यादि भक्त भी शामिल थे।

इस कार्यक्रम को स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किया है। कार्यक्रम के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।



बाबोसा द्वार की नींव

आपको जान कर प्रसन्नता होगी कि बाबोसा कमांडो फोर्स के युवा साथियों के प्रयास से बाबोसा महोत्सव के उपलक्ष में परम आराधिका मंजु बाईसा के पावन कर-कमलों से बाबोसा मंदिर के

बाहर रोड पर एक भव्य "बाबोसा द्वार" की नींव रखी गई है। इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन व M.C.D. दिल्ली के इंजीनियर सहित कॉलोनी के कई गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे।



श्री बाबोसा दर्शन

श्री बाबोसा भगवान का विशाल जन्मोत्सव कार्यक्रम कोलकाता (हावड़ा) में

पनमोहक श्रृंगार

तांती वितरण



दिनांक :
बुधवार 1 फरवरी 2017
समय :
प्रातः 9.15 बजे

भव्य दरबार

सान्निध्य एवं ज्योत प्रज्वलन : परम आराधिका मंजु बाईसा

स्थान : बाबोसा सिटी ऑफ जोय, कोयज घाट रोड़, नीयर 103/24/1 फोरशर रोड़, हावड़ा, कोलकाता
बाबोसा का गुणगान : राजू मेहरा, अनिल लाटा

कीर्तन के पश्चात् परम आराधिका मंजु बाईसा द्वारा चमत्कारी तांती (सुरक्षा कवच) का वितरण
निवेदक : श्री बाबोसा भक्तमंडल (चूरू धाम) कोलकाता
संपर्क सूत्र : संजय कोठारी : 9830049310 जय गोलछा : 9831202104, नितिन कोठारी : 9836599300

श्री बालाजी बाबोसा मन्दिर

मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाव भरा आमंत्रण

17 जनवरी को
जगरपरिक्रमा

18 जनवरी को
मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

कार्यक्रम

दिनांक 14 जनवरी 2017 से शेषका 16 जनवरी 2017

सुभा 7:30 बजे
शुभ 8:00 बजे
पुनः सुभा 10:00 बजे
पुनः शुभ 11:00 बजे
पुनः सुभा 12:00 बजे
पुनः शुभ 1:00 बजे

प्रकार: 17 जनवरी 2017

अभिषेक प्रारम्भ के उपरान्त
शुक्रवार 18 जनवरी 2017

पुनः सुभा 7:30 बजे
पुनः शुभ 8:00 बजे
पुनः सुभा 10:00 बजे
पुनः शुभ 11:00 बजे

सान्निध्य
परम आराधिका मंजु बाईसा

श्री बालाजी बाबोसा भजन मण्डल
द्वारा
अमृतमयी भजन वर्षा
भजन गायक

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में अपने परिवार व इष्ट मित्रों सहित पहुँच कर पुण्य के भागी बनें।

विशेष आकर्षण : मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के उपरान्त सभी भक्तों को श्री बालाजी बाबोसा दरबार का मलशौच, स्वजाना व अभिषिक्त तांती वितरित की जाएगी।

पदाधिकारी		कार्यकारिणी समिति	
अध्यक्ष	उपअध्यक्ष	संयोजक	सहायक संयोजक
सुनील कुमार गुप्ता	सविन शिखर	सुनील कुमार गुप्ता	सुनील कुमार गुप्ता
9402208873	9414021828	9414000911	9414217466
		9400006305	

स्थान :- 35 गंगा कॉलोनी, बालाजी धाम के सामने, हनुमानगढ़ रोड़, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

श्री सनातन धर्म बावड़ी सभा (रजि.) फाजिलका

श्री बाला जी बाबोसा मन्दिर

लोकार्पण
एवं
अभिषेक

परम आराधिका
मंजु बाईसा

93162-93280 | 85917-14330
90417-48075 | 99141-24133
98760-40703 | 94638-19353

मंगलवार, 17 जनवरी 2017

कलशा यात्रा
प्रातः 9:00 बजे

लोकार्पण
प्रातः 11:00 बजे

भक्त्यामृत वर्षा

श्री बाबोसा भक्तों की टैली (दिल्ली वॉले)
महा प्रसाद वितरण
कार्यक्रम के उपरान्त मन्दिर प्रांगण में
आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

प्रथम अखिल भारतीय बाबोसा सम्मेलन

दिल्ली 3 नवंबर, जैसा कि हम सभी देख रहे हैं, श्री बाबोसा भगवान के भक्त अब सिर्फ देश के कोने-कोने ही नहीं बल्कि विदेशों में भी फैलने लगे हैं। बाबोसा भक्त मंडल द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों के अलावा कई सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित होते रहते हैं। इन कार्यक्रमों को आयोजित करने में बाबोसा कमांडो फोर्स, बाबोसा राष्ट्रीय मंदिर जीर्णोद्धार समिति, बाबोसा की लाडली (महिला संगठन) इत्यादि संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

लेकिन इन सभी संस्थाओं का राष्ट्रीय स्तर पर कभी भी एक मंच पर विचार-विमर्श नहीं हुआ। अतः भविष्य की संभावनाओं एवं आवश्यकताओं के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया कि इस बार बाबोसा महोत्सव के पूर्व देश-विदेश से आये हुए भक्तों का एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाये।

दिनांक 3 दिसंबर को श्री बालाजी बाबोसा मंदिर, बाबोसा सिटी के भूतल में निर्मित विशाल हॉल में सैकड़ों प्रतिनिधि उपस्थित हुए। मंच पर श्री बाबोसा भगवान की प्रतिमा स्थापित की गई। एवं प्रतिमा के साथ ही उपस्थित थी परम आराधिका मंजु बाईसा, जिनकी

पावन सन्निधि में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। सामने उपस्थित भक्तों में श्री

की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए इस बात पर बल दिया कि अब हमें अपने संगठन को एक

प्रस्तुत की।

इसके पश्चात श्री आर. एम. कंठारी, परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी एवं श्री संजय कोठारी ने अपने प्रेरक उद्बोधनों में सभी भक्तों को श्री बाबोसा भगवान के कार्यक्रमों के लिये तन-मन-धन से समर्पित होने का आह्वान किया।

प्रेरक उद्बोधन के पश्चात् बाहर से आये हुए कई स्थानों के भक्तों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसका संचालन श्रीमती शालिनी महेश्वरी ने किया। परम आराधिका मंजु बाईसा ने सभी भक्तों को अपने पावन कर कमलों में प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

अंत में श्री लक्ष्मीपत बोधरा द्वारा आभार-ज्ञापन के साथ सम्मेलन की समाप्ति हुई। इस कार्यक्रम को आयोजित करने में दिल्ली भक्तों की आई टी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।



आर. एम. कोठारी, श्री प्रकाश कोठारी, श्री संजय कोठारी सहित विभिन्न शहरों से आगंतुक भक्तगण उपस्थित थे। मंच पर एक एल ई डी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अन्य बातों की जानकारी देने की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के सूत्रधार श्री राघव महेश्वरी ने अपने लैपटॉप पर पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा उतार रखी थी। उन्होंने कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी देते हुए श्री अजय बैद से अपना key-note address प्रस्तुत करने का आग्रह किया।

श्री अजय बैद ने सभी संस्थाओं

व्यवस्थित रूप देना चाहिए ताकि आने वाले दिनों में हम एकरूपता के साथ देश भर में और भी अधिक कुशलता एवं भव्यता से बाबोसा भगवान के कार्यक्रमों को आयोजित कर सकें इसके लिये उन्होंने कई उप-समिति बनाने की रूपरेखा

परम आराधिका मंजु बाईसा से संपर्क-माध्यम

1. Facebook प्रत्येक मंगलवार रात्रि: 8-30 से 9-30 बजे
2. श्री बालाजी मंदिर, दिल्ली मंगलवार और शनिवार, प्रातः 9 से 11 बजे तक
3. फोन पर प्रतिदिन



भजनों की मधुर सी. डी. का विमोचन

बाबोसा महोत्सव के उपलक्ष में दिनांक 2 नवंबर को मंदिर में परम आराधिका मंजु बाईसा ने बाबोसा भगवान की एक मधुर सी डी का विमोचन किया, जिसका नाम है 'दिल में नाम तेरा है' इसमें मधुर भजन गायक श्री पिंटू स्वामी (बीकानेर) ने अपने सघे हुए स्वरों में 8 कर्णप्रिय भजन प्रस्तुत किये हैं। इस सी डी के निर्माण में श्री पंकज दूगड़ का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।



श्री बाबोसा भगवान का मिंगसर महोत्सव 2016 पलटन बाजार मंदिर में धुमधाम से मनाया गया

दिनांक: ०४/१२/१६ सुबह ८:३० बजे आरती के पश्चात श्री बाबोसा भगवान का मिंगसर महोत्सव पर कीर्तन भजन का आयोजन पलटन बाजार मंदिर में धुमधाम से मनाया गया। इस साल महोत्सव में भक्तों को बाबोसा का मनमोहक श्रृंगार देखने को मिला। प्रोग्राम का मुख्य आकर्षण बाबोसा का अनोखा दरबार रहा जिसे चॉकलेट, लाईट एंव कलश से बाबोसा कमांडो फोर्स के द्वारा सजाया गया। बाबोसा भक्त मण्डल के सदस्यों ने मंदिर परिसर में नये नये भजन गा कर बाबोसा को रिझाया। भजन गायक जगदीश महतो, मनोज पंडीत एंव उमा शंकर ने बाबोसा को रिझाया एंव भजनों की ऐसी लडी लगायी की सभी भक्त नाचने व झुमने लगे, कीबोर्ड पर पलाश शिवम एंव ढोल्की पर सुखी पंडीत का अच्छा तालमेल रहा ऐसा लग रहा था कि बाबोसा साक्षात् गुवाहाटी पधार कर यहा के भक्तों को आशीर्वाद दे रहे थे इसी दौरान पलाश शिवम ने असमीया भाषा में भजन गाकर अपनी हाजरी लगाई, इसके अलावा "SILVER BABOSA" LUCKY TICKET की शुरुवात की गई जिसका ड्रा ३१ दिसंबर की रात को रखा गया है। वहीं मिंगसर महोत्सव में *Surat, Shillong, Nalbari, Bongaigoan Darrangiri, Kishnoi, Kharupetia, Barpeta, Lumding, Goalpara, Jorhat, Nagaon, Rangia* से भक्तों ने अपनी हाजरी दर्ज करवाई। इसी बीच श्री बाबोसा भगवान को छप्पन भोग का प्रसाद एंव स्वामनी का भोग लगाया गया। बाबोसा कमांडो फोर्स, बाबोसा महिला परिवार एंव बाबोसा कन्या मंडल के सदस्यों ने इस प्रोग्राम में भरपूर सहयोग दिया। अंत में सभी भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया। साथ ही मिंगसर महोत्सव के अवसर पर मानस भक्त मंडल ने शिव बालाजी बाबोसा मंदिर (३ न. रेलवे गेट, होटल विश्वरत्ना के सामने) में शाम को ६ बजे से भजनों का कार्यक्रम रखा। बाबोसा भक्त मण्डल ने पावन मिंगसर पंचमी कि सभी भक्तों को बधाई दी।

पुत्र के विवाह के उपलक्ष में मधुर बाबोसा भजन संध्या

दिल्ली 2 दिसंबर-आज श्री फतेहचंद-कमला मंसाली ने अपने सुपुत्र के परिणय के पूर्व श्री बाबोसा भगवान की मधुर भजन संध्या का आयोजन किया।

परम आराधिका मंजु बाईसा के सान्निध्य में श्री बालाजी बाबोसा मंदिर में आयोजित इस भजन संध्या में काफी संख्या में भक्त उपस्थित थे। परम-श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई

जी द्वारा ज्योत प्रज्वलन के पश्चात् श्री भरत छाजेड़ ने गणेश वंदना के साथ कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। श्री अजय बैद, दीपक दूगड़ एवं अरुण सुराणा ने भी कई मधुर भजनों के माध्यम से माहील को बाबोसामय बना दिया। अंत में श्री बाबोसा भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ और भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया।

सौभाग्य मिला श्री बाबोसा भगवान की ज्योत में परिणय बंधन का

दिल्ली 25-11-16 आज एक और नाम जुड़ गया उन सौभाग्य का जिन्होंने बाबोसा भगवान की ज्योत की सक्षी में सात फरे लेकर अपनी जीवन यात्रा प्रारंभ की। यह नाम है स्नेहा (सुपुत्री श्री सुरेन्द्र पारख) एवं अक्षय (सुपुत्र श्री राकेश पुगलिया)

दोनों ही भक्त आज श्री बाबोसा भगवान की पावन ज्योत के समक्ष परम आराधिका मंजु बाईसा के

सान्निध्य में सात फेरों के बंधन में आजीवन जीवन साथी बन गये। शादी के कार्यक्रम के पूर्व मधुर भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री अरुण सुराणा, भरत छाजेड़ एवं दीपक दूगड़ ने कई मधुर-भजन प्रस्तुत किये। श्री अजय बैद ने विदाई गीत प्रस्तुत किया। सभी भक्तों ने नव-युगल को हार्दिक बधाई दी। आरती के पश्चात् भक्तों ने भंडारा ग्रहण किया।

स्वास्थ्य हेतु आवश्यक हैं हल्दी व हींग

हल्दी में विटामिन ए, बी, सी, पाए जाते हैं। यह गर्म, वात, पित्र व कफ को दूर करने वाली होती है। जुकाम, कुष्ठ, गठिया और चर्मरोगों को दूर करने वाली होती है। यह चोट, सूजन, फोड़ा और हड्डी के टूटने को ठीक करने वाली होती है। हल्दी के एक टुकड़े को भुनकर दांत के नीचे दबाने से दांत का दर्द बंद हो जाता है।

हल्दी के उबटन से वर्ण सुन्दर और कान्तिमय होता है। हल्दी, चूना और शहद समभाग लेकर इन तीनों को खूब अच्छी तरह से मिलाकर दर्द के स्थान पर लगाने से गठिया की सूजन में लाभ प्राप्त होता है अथवा हल्दी के पत्ते को सेंककर बांधने से गठिया की सूजन और दर्द में हितकारी होता है।

हल्दी के टुकड़े को सेंककर रात में सोते समय मुंह में रखने से जुकाम, कफ और खांसी में लाभ होता है। हल्दी की गांठ को घी में सेंककर चूर्ण बनाकर चीनी में मिलाकर कुछ दिनों तक प्रतिदिन खाने से मधुमेह के रोग तथा अन्य प्रमेह रोगों में लाभ मिलता

है। हल्दी और चीनी पानी में मिलाकर पिलाने से मूर्छा रोग ठीक होता है। हल्दी में चूना मिलाकर (अन्दरूनी चोट) की सूजन-लेप करने से सूजन ठीक हो जाता है। हल्दी के धुएँ का नस्य लेने से सर्दी और जुकाम में तुरन्त लाभ मिलता है।

हल्दी को थोड़े से पानी में पीसकर, गर्म करके बिच्छू या किसी भी जन्तु के डंक पर लेप करने से लाभ मिलता है। जिगर के रोगी को हल्दी हानिप्रद होती है।

हींग: हींग गर्म, तीक्ष्ण, वात, कफ और शूल को नष्ट करती है और पित्र प्रकोपक होती है। यह रस में कटु और उष्ण वीर्य होती है तथा भोजन पचाने में लाभदायक होती है। भोजन में रुचि उत्पन्न करती है। हींग को गूलर के सूखे फलों के साथ खरल करके खाने से पोलिया रोग ठीक हो जाता है।

हींग को सौंफ के अर्क में देने में मूत्रवरोध में लाभ होता है। हींग को पानी में घोलकर नाक में उसकी बुँदें

डालने से आधासीसी रोग में आराम मिलता है। हींग को पानी में उबालकर इस पानी से कुझे करने से दांत का दर्द दूर होता है अथवा दांत के पीले भाग में हींग भरने से दंतकृमि नष्ट हो जाते हैं और दांत की पीड़ा मिट जाती है।

हींग के सेवन से स्त्री की योनि गर्भाशय की शुद्धि होती है, मासिक धर्म साफ और समय से होने लगता है, उदर-वेदना को मिटाता है। निम्न चूर्ण को बनाकर सेवन करने से अनेक रोगों में लाभ देने वाला होता है:-

घी में सेंकी हुई हींग, सोंठ और कालीमिर्च, पीपर, सेंधा नमक, अजवाइन, जीरा सफेद और शह जीरा को समभाग में लेकर इन आठों वस्तुओं को एक साथ मिलाकर, चूर्ण बनाकर मजबूत दूधकन वाली बोटल में भर कर रख दें। थोड़ा चूर्ण भोजन से पूर्व खाने से अजीर्ण, वायु, हैजा, पेट दर्द आदि रोगों को यह चूर्ण ठीक कर देता है।

स्त्री को मिर्गी आती हो तो कुछ दिनों तक दो तोले की मात्रा में शुद्ध हींग का अर्क पीने से ठीक हो जाता है। गर्म पानी के साथ मटर के बराबर हींग निगल जाने से उदरशूल, अतिसार, हिचकी और उल्टी में शीघ्र आराम हो जाता है। कर्जियत के पुराने रोगियों के लिए हींग का सेवन लाभकारक होता है। पेट में खूब अफारा हो जाने के कारण पेट फूल गया हो, पेट में दर्द होता हो तो हींग को थोड़े से पानी में मिलाकर नाभि के आसपास और पेट पर इन का लेप करने से कुछ ही क्षणों में आराम हो जाता है।

बच्चों के पेट में मरोड़ हो रहा हो तो इनके भी नाभि के ऊपर हींग का लेप लगा देने से बच्चे को आराम मिल जाता है। हींग को शहद में मिलाकर, रूई की बत्ती बनाकर, सुलगाकर इनका काजल बनाकर दोनों आंखों पर लगाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है और आंखों के रोगों को भी यह ठीक करने वाली है।

□ इन्दीवर मिश्र

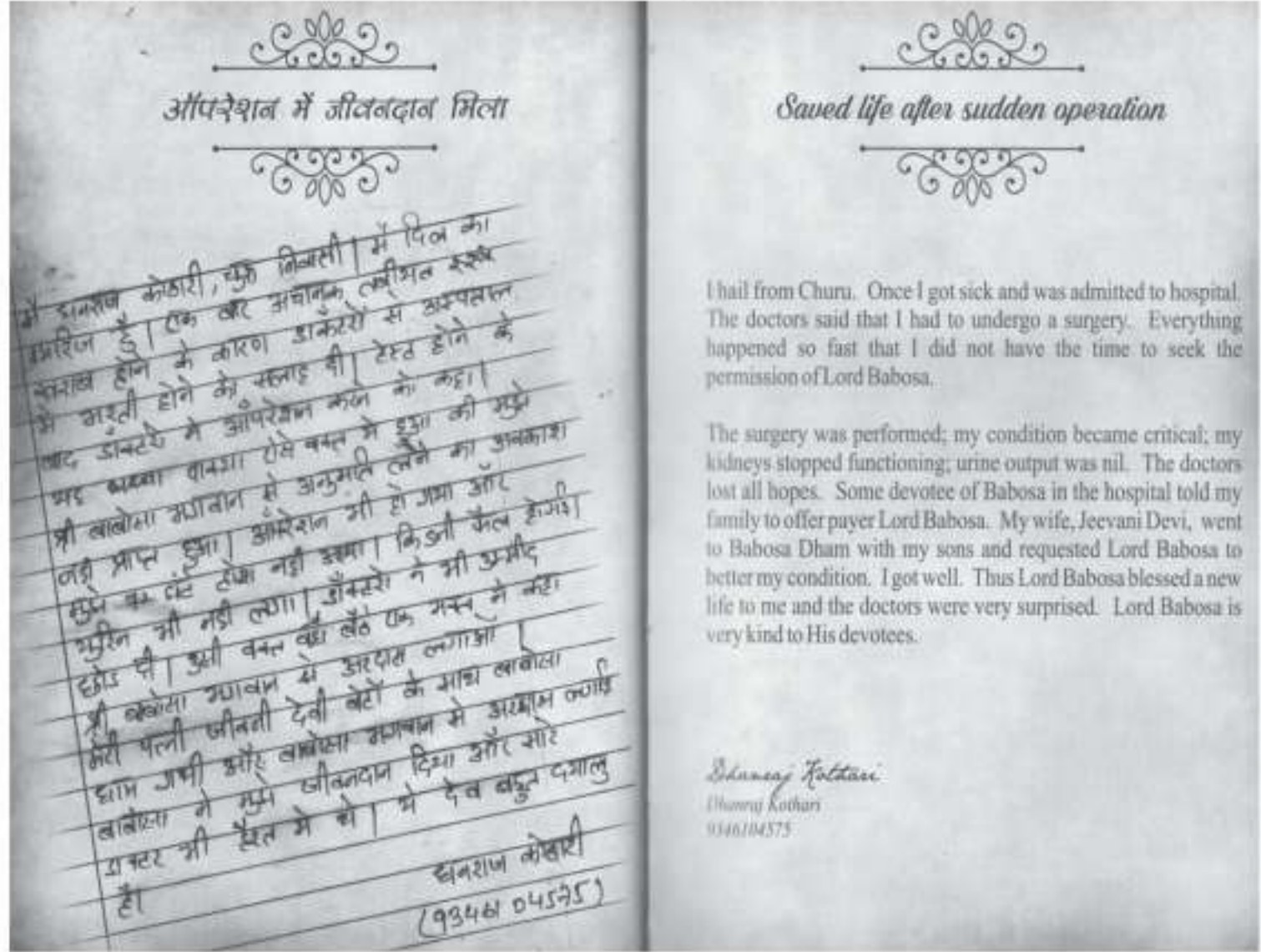
आप सभी को नव-वर्ष की हार्दिक शुभकामना



देवेन्द्र सोलंकी

चैयरमेन, MCD, North Zone, Delhi

हम अपने हर बाबोसा दर्शन अंक में इस ग्रंथ से 1 चमत्कार को प्रकाशित करेंगे।



कुछ काम की बातें

- किसी बात को स्वयं की प्रतिष्ठा मत बनाईये।
- बात को आई-गई करना सीखिये।
- छोटी-छोटी बातों पर वहस मत कीजिये।
- जहां नम्रता से काम बने, वहां उत्तेजना मत लाईये।
- सब कुछ कहना नहीं, पचाना भी सीखिये।
- दो अर्थ निकले, ऐसी बात मत बोलिये।
- अपना मुंह और पर्स सावधानी से खोलिये।
- चिंता को खूंट्टी पर टांग कर सोना सीखिये।
- बिन मांगे किसी को सलाह मत दीजिये।
- दूसरों की नुक्ता चीनी मत कीजिये।

संकलन : कमला डागा, दिल्ली

स्मृति शेष

श्री मती लीलावती देवी कुचेरिया (धर्मपत्नी श्री इंदरचंद कुचेरिया (लाडून-दिल्ली) का लंबी अस्वस्थता के पश्चात् 24 नवंबर को लाजपतनगर, दिल्ली में स्वर्गवास हो गया। वे लगभग 80 वर्ष की थीं। वे बाबोसा भक्त एवं बाबोसा दर्शन के संपादक की घबेरी बहन थीं। एवं उनकी प्रेरणा से ही वे प्रथम बार चूरु धाम गये थे।

श्री मती लीलावती देवी बाबोसा भगवान के प्रति अटूट आस्था रखती थीं। वे अपने पीछे पुत्र मनोज सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ कर गई हैं। उनका स्वभाव अत्यंत मिलनसार एवं विनम्र था। वे एक धार्मिक विचारों वाली महिला थीं।

बाबोसा दर्शन दिवंगत आत्मा



की शांति की कामना करते हुए श्री बाबोसा भगवान से उन्हें अपने चरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

ॐ शांति- ॐ बाबोसा

श्री बाबोसा दर्शन

श्री बाबोसा भगवान की ज्योत में परिणय संस्कार

हैदराबाद 12 दिसंबर, आज यहाँ रामोजी सिटी के भव्य लॉन में परस कोठारी (सुपौत्र : श्री घनराज-जीवनी देवी, सुपुत्र : श्री प्रवीन-सरला) संग शशि (सुपुत्री श्री श्यामसुखा) का परम आराधिका मंजु बाईसा के सान्निध्य में श्री बाबोसा भगवान की पावन ज्योत के समक्ष हर्षोल्लास के साथ परिणय संस्कार संपन्न हुआ।

इस अवसर पर काफी संख्या में बाबोसा भक्त एवं अन्य पारिवारिक जन उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री बाबोसा भगवान का भव्य दरबार

सजाया गया। सर्वप्रथम वरमाला स्टेज पर नव-दंपति ने वरमाला की रस्म पूरी की। तत्पश्चात् वे मुख्य मंच यानि दरबार में आ गये जहाँ परम आराधिका मंजु बाईसा ने श्री बाबोसा भगवान के अष्टोत्तर शत नामावली की आहुति के साथ शादी की अन्य रस्में पूरी करवाई।

श्री अरुण सुराणा ने बधाई गीत गाकर बाबोसा परिवार की तरफ से वर-वधु को शुभकामनाएं दीं। हैदराबाद में ज्योत के समक्ष शादी का यह प्रथम आयोजन था, जिसे भक्तों ने खूब सराहा।



शादी की 25 वीं सालगिरह पर कृपा बरसी



मोरना (उत्तर प्रदेश) आज दिनांक 22 दिसंबर को यहाँ प्रथम बार श्री बाबोसा भगवान की अपार कृपा बरसी। श्री सुनील-उमेश ने अपनी शादी की 25 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में श्री बाबोसा भगवान का भव्य दरबार लगाया। पर्वतनुमा दरबार में भगवान शंकर के साथ श्री बाबोसा भगवान का अत्यंत मनभावन रूप भक्तों को दूर से ही आकर्षित कर रहा था।

कार्यक्रम को अपना सान्निध्य प्रदान करने हेतु परम आराधिका मंजु बाईसा कई भक्तों के साथ जब मोरना पधारी तो भक्तों ने उनका भावपूर्ण स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ पावन गणेश वंदना से हुआ। श्री अरुण सुराणा ने गणेशवंदना के पश्चात् माताजी बाला जी एवं बाबोसा भगवान के कई मधुर भजन प्रस्तुत किये। कई भजनों पर उपस्थित भक्त समूह ने भक्तिभाव पूर्वक नृत्य किया। श्री दीपक दूगड़ ने भी

कुछ मधुर एवं जोशीले भजनों से बाबोसा भगवान का गुणगान किया।

कार्यक्रम में अब बारी थी श्री सुनील जी एवं उमेश जी की 25 वीं सालगिरह मनाने की। श्री अजय बैद ने कुछ पुराने गीतों के माध्यम से माहौल को पूरा बाबोसामय बना दिया, जिसका पारिवारिक जनो ने भरपूर आनंद उठाया।

अंत में बाबोसा भगवान की आरती एवं भंडारों के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। बाईसा ने अपने पावन कर-कमलों से नये भक्तों को श्री बाबोसा भगवान की लघु प्रतिमा एवं तांती वितरित की। यहाँ प्रथम कार्यक्रम के मद्देनजर श्री अजय बैद ने बाबोसा कृपा सागर ग्रंथ का परिचय देते हुए भक्तों को बाबोसा भगवान एवं प. आ. मंजू बाईसा के बारे में कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी, जिससे भक्त लाभान्वित भी हुए एवं प्रभावित भी।

बिहार में प्रथम बार ज्योत के समक्ष विवाह संस्कार

सौभाग्य मिला श्री बाबोसा भगवान की ज्योत में परिणय बंधन का



श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा दर्शन

मिंगसर महोत्सव 2016 में बाबोसा भगवान के विभिन्न चरणों में दर्शन



श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

देश के विभिन्न मंदिरों में भिंगसर महोत्सव की झलकियां



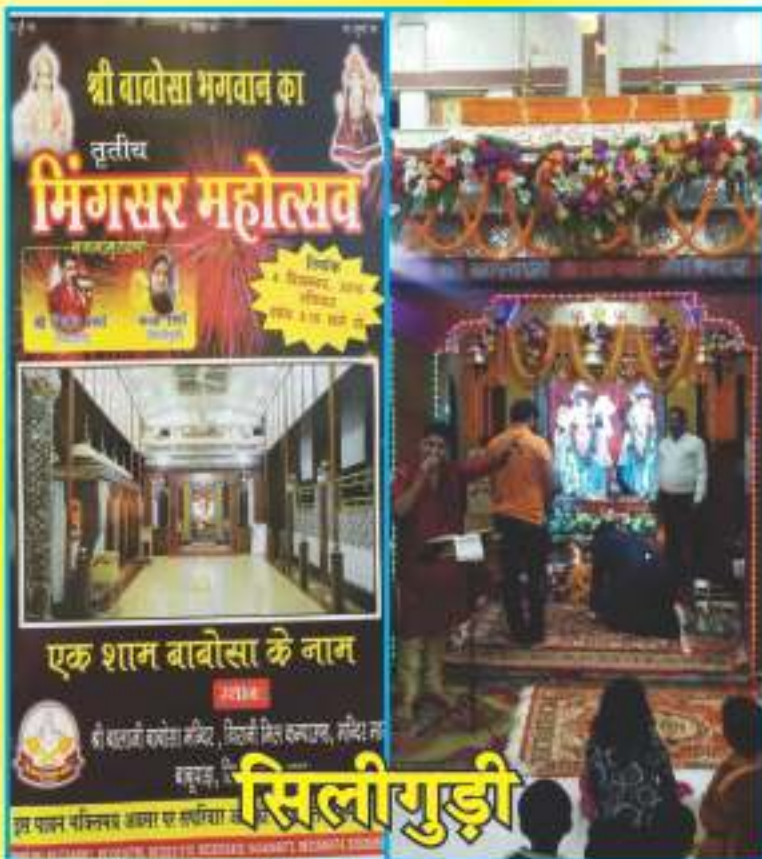
गुवाहाटी



अररिया



लुधियाना



सिलीगुड़ी



इस्लामपुर



विराटनगर

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः

श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः श्री बाबोसा देवाय नमः